



माँ दुर्गा ज्वेलर्स

सोने एवं चांदी के आभूषणों के विक्रेता

उचित व्याज में गिरवी रखी जाती है।

शॉप नं.-69, सी-नाकैट, सेक्टर-6, गिलाई

मो.-9424124911

खास-खबर

20 लाख लोन चुकाने टीचर और उसके बेटे की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में टीचर और उनके बेटे की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मृतका की सहेली का पति है। उसने 20 लाख रुपये का लोन लिया था। इसकी किस्त चुकाने के लिए मृतका से पैसे मांगे थे। मना करने पर उसने टीचर की हत्या कर दी। बेटे को घर में उसके आने की जानकारी थी, इसलिए उसे भी मार डाला। मामला जयनगर और विश्रामपुर थाना क्षेत्र का है। आरोपी ने टीचर के घर के बाथरूम में शेंपू की बोतल से उनके सिर पर वार किया। बेसुध होने पर गला घोट दिया। वहीं, मृतका के बेटे को सुनसान जगह ले जाकर सीमेंट के टुकड़े से उसके सिर और सीने पर वार कर उसकी हत्या कर दी। जांच के दौरान रजनी बरेठ के स्कूल में पदस्थ एक महिला टीचर के पति परवेश उर्फ प्रवेश कुमार (36) की भूमिका संदिग्ध मिली। पुलिस को सीसीटीवी में एक व्यक्ति टीचर के घर की ओर जाते दिखा था। जांच के बीच संदिग्ध फरार हो गया था। इसके बाद 22 अक्टूबर को पुलिस ने उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना कबूल कर लिया।

तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप, 16 मौतें, 65 घायल

ल्हासा। तिब्बत में गुरुवार रात 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 65 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के बाद 12 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। राहत और बचाव का काम जारी है। चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक भूकंप के बाद 400 से ज्यादा झटके दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र तिब्बत के नागक्पू शहर के बाछेन काउंटी में था। यह जमीन से 10 किलोमीटर से भी कम गहराई पर आया। यह जगह तिब्बत की राजधानी ल्हासा से करीब 400 किलोमीटर दूर है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, भूकंप से 330 से ज्यादा घर ढह गए या उन्हें नुकसान पहुंचा है।

महासमुंद में हादसा, कार ट्रक में घुसी, दो महिलाओं की मौत
महासमुंद। राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर बावनकरा चौक के पास भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। संबलपुर से लौट रही कार आगे चल रहे 16 चक्का ट्रक में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घटना पटेवा थाना क्षेत्र की है।

छत्तीसगढ़ में सुबह-रात ठंड, अबिकापुर में 13 डिग्री पारा, अगले 5 दिन मौसम ड्राई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा और बस्तर संभाग के साथ ग्रामीण इलाकों में सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस होने लगी है। रात के तापमान में गिरावट के साथ मौसम में बदलाव नजर आने लगा है। हालांकि, मैदानी इलाकों में दिन के समय अब भी गर्मी बनी हुई है। रायपुर में गुरुवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि प्रदेश में सबसे कम तापमान अबिकापुर में 13.6 डिग्री रहा। शेष संभागों के जिलों में मौसम सामान्य रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अगले पांच दिनों तक मौसम ड्राई रहने

राजनांदगांव एसपी अंकिता-शर्मा की बड़ी मुश्किलें, हर्ष फायरिंग मामले में पीएचक्यू ने मांगा स्पष्टीकरण

रायपुर। राजनांदगांव जिले की एसपी अंकिता शर्मा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। विजय दशमी पर शस्त्र पूजन के बाद एके 47 से हवाई फायरिंग करने के मामले में अब छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय ने स्पष्टीकरण मांगा है। दरअसल इस फायरिंग का वीडियो वायरल होने के बाद भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लों ने भी 8 प्वाइंट में गलतियां बताई थी। वीडियो वायरल होने और सोशल मीडिया पर निगेटिव कमेंट

सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 18 अंक - 11

www.shreekanchanpath.com

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

मिलाई, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पीएम मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन का किया उद्घाटन, कहा- मेरी नीतियों के केंद्र में युवा

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत मंडपम में ‘चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन’ का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा ‘गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद से मुलाकात के बाद लोगों ने मुझे गुजरात का मुख्यमंत्री बनाया। तब से लेकर पिछले 25 वर्षों तक, मैंने सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी पूरी क्षमता से देश की सेवा की है। पीएम मोदी ने कहा, इस कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक के जरिए मेरे दिल की

भावनाएं और भी जीवंत हो उठीं। पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद को इस रूप में देखना और उनके होलोग्राम के साथ बातचीत करने का अवसर मिलना, ऐसा लगा मानो मैं 33 साल पीछे समय में चला गया हूं। 1993 में वड़ोदरा में गुरुदेव के साथ मेरी मुलाकात, हमारी बातचीत, उनका स्नेह और उनका आशीर्वाद सब कुछ मेरी आंखों के सामने बिल्कुल साफतौर पर आ गया। एक पल के लिए मुझे ऐसा लगा मानो मैं फिर से उनके साक्षात सानिध्य में हूं।

गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद से मुलाकात को बताया अद्भुत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, ‘मुझे आज भी याद है कि उनके साथ मेरी पिछली मुलाकात में हमने कितनी गंभीर चर्चा की थी। उस चर्चा का मुख्य विषय था – युवा शक्ति का निर्माण करना और उसके जरिए एक मजबूत और सक्षम भारत बनाना। उनसे मिलने के कुछ साल बाद, लोगों ने मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया। तब से लेकर पिछले 25 वर्षों तक, मैंने सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी पूरी क्षमता से देश की सेवा की है। इस पुरे सफर में गुरुदेव का आशीर्वाद मेरे साथ रहा है। यह मेरे लिए बेहद भावुक कर देने वाला अनुभव था। मुझे यह अद्भुत अनुभव देने के लिए मैं चिन्मय मिशन के सभी सदस्यों का तहें दिल से धन्यवाद करता हूं।

बस्तर के मुरिया दरबार में शामिल हुई राष्ट्रपति मुर्मू, मांझी-चालकियों से चर्चा

मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर मांगा देशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद

राज्यपाल रमण डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय थे उपस्थित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अपने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल हुईं। यहां के सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में मांझी-चालकियों और जनजातीय प्रतिनिधियों से मिलीं। उन्होंने उनसे बातचीत की और उनकी बातें सुनीं। बस्तर दशहरे के मुरिया दरबार में शामिल होने वाली वे देश की पहली राष्ट्रपति हैं। इसके बाद राष्ट्रपति ने प्रदर्शनी देखी और इस दौरान राष्ट्रपति एक बच्ची से मिलीं और उससे पूछा कि क्या बनोंगी, तो बच्ची ने कहा कलेक्टर बनोंगी।

उल्लेखनीय है कि मां दंतेश्वरी बस्तर अंचल की आराध्य देवी हैं। मां दंतेश्वरी के प्रति बस्तरवासियों की गहरी आस्था है और उनकी उपासना क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखती है। मां दंतेश्वरी से जुड़ी आस्था बस्तर की सदियों पुरानी परंपराओं और यहां के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में गहराई से रची-बसी है। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया।

साहू समाज में बकरी पालन को लेकर विवाद : उर्तई के चुनकटा गांव में महिला की डंडा मारकर हत्या

भिलाई। दुर्ग जिले के उर्तई थाना क्षेत्र अंतर्गत चुनकटा गांव में बकरी पालन को लेकर हुए सामाजिक विवाद ने एक दर्दनाक मोड़ ले लिया। साहू समाज में बकरी नहीं पालने की परंपरा का हवाला देकर एक युवक ने 52 वर्षीय महिला पर डंडे से प्राणघातक हमला कर दिया, जिससे इलाज के दौरान देर रात महिला की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चुनकटा गांव की निवासी कुमारी बाई साहू (52 वर्ष) अपनी आजीविका चलाने के लिए बकरी पालन करती थीं। वहीं गांव का ही निवासी अर्जुन साहू लंबे समय से उसके इस कार्य का विरोध कर रहा था। अर्जुन का मानना था कि

साहू समाज के दृष्टिकोण से बकरी पालन करना ठीक नहीं है। गुरुवार देर शाम इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। आवेश में आकर अर्जुन साहू ने डंडे से कुमारी बाई ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने महिला को तत्काल श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। देर रात लगभग ढाई बजे इलाज के दौरान कुमारी बाई ने दम तोड़ दिया।घटना के संबंध में प्रार्थी अजीत साहू की शिकायत के आधार पर उर्तई थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अर्जुन साहू को हिरासत में ले लिया है।

जीपीएम के वन क्षेत्र में पहुंचा हाथियों का समूह डीएफओ ने ग्रामीणों से की सतर्क रहने की अपील

गोंरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले और आसपास के वन क्षेत्रों में विचरण कर रहा 52 हाथियों का दल अब दो समूहों में बंट गया है। हाथियों का एक समूह कोरबा जिले के पसान क्षेत्र के जंगलों में मौजूद है, जबकि दूसरा समूह करीब 10 से 12 हाथियों के साथ मरवाही वन मंडल क्षेत्र में पहुंच गया है। हाथियों का यह दल मरवाही वन परिक्षेत्र के मटियाढांड बीट अंतर्गत अखरादंड कक्ष क्रमांक 2002 में विचरण कर रहा है। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। वहीं, वन विभाग अलर्ट मोड पर है। जानकारी के अनुसार, कोरबा जिले के पसान वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहा 52 हाथियों का

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई। यहां के बांबे आवास उरला स्थित सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल के पास आपसी विवाद के बाद युवक पर भारदार हथियार से हमला किया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के

सूचना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान शिव बहादुर सिंह सोनी उर्फ

शिवा, उम्र 19 वर्ष, निवासी बांबे आवास उरला, जिला दुर्ग के रूप में हुई। मोहन नगर थाना प्रभारी केशव कोसले ने बताया कि गुरुवार रात करीब 8 बजे के आसपास की यह घटना है। लक्ष्मी कुमार सारथी व शिव बहादुर सिंह सोनी के बीच विवाद हुआ। इस दौरान लक्ष्मी सारथी ने शिव सोनी पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल शिवा को तत्काल गंगोत्री अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर

दिया। इसके बाद शव को अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मोहन नगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की पुलिस टीम द्वारा त्वरित पतासाजी कर घटना के चंद घंटों के भीतर आरोपी लक्ष्मी नारायण सारथी, उम्र 20 वर्ष, निवासी हरना बांधा, जिला दुर्ग को पकड़ लिया गया। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है।

BOOK! NOW!

अब हर नज़र आपके Brand पर !

● Unipole / Hoarding

● Outdoor LED Screen

● Digital LED Television

● Train Wrap Branding

● Mobile LED Vehicle

● Social media advt.

● News Paper advt.

● Branding consultancy

8253029444 | 8435918888

www.harshmediaadvertisers.com

info.harshmedia@gmail.com

harsh_media_advertisers

●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

संपादकीय

पोषण के भ्रामक दावे

गुणवत्ता की हकीकत बताएं उपभोक्ताओं को

कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल से भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम देश में दशकों से चला आ रहा है। इस प्रचार के खेल में फ़िल्मी व ग़ैलमर की दुनिया की हस्तियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं। विडंबना यह है कि देश का आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। लेकिन वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए, न कि लुभावने विज्ञापन।

शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फ़र्मुले और कॉम्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफ़एसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए, जिसने पोषण संबंधी दावों की विश्वसनीयता और सख्त नियामक निगरानी की आवश्यकता पर फ़िर सवाल खड़े कर दिए हैं। नियामक ने कॉम्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फ़र्मुले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर वित्तीय परितार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ़्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फ़र्मुला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। आमतौर पर ऐसे प्रचारक मोटी फ़ैस लेकर उपभोक्ताओं को ठेस पहुंचाने का ही काम करते हैं।

निस्संदेह, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। दरअसल, ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि ‘शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम’ के तहत लगाई गई पारबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफे के लिए किए जा रहे किसी ग़लत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से इस प्रकरण में कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलना ही चाहिए। वहीं दूसरी ओर, उनके बड़-चढ़कर किए जाने वाले दावों की जांच विश्वसनीय सबूतों और नियमों के आधार पर ही की जानी चाहिए।

हालांकि, देश के नियामकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बिना तार्किक आधार वाले या गुमराह करने वाले दावों को उत्पाद बनाने वाली कंपनियों द्वारा तुरंत सुधारा जाए। वहीं दूसरी ओर, नियमों का उल्लंघन करने वाले उत्पादकों पर उचित कार्रवाई की जाए। वैसे तो हमारे देश में आमतौर पर खाद्य उत्पादों के लेबल और विज्ञापन ही अक्सर उपभोक्ताओं के लिए जानकारी के मुख्य स्रोत होते हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों व अशिक्षित लोगों में यह समस्या ज्यादा होती है। इसलिए भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण को अपनी जांच-पड़ताल सख्ती से करनी चाहिए। निश्चित रूप से प्रवर्तन एजेंसियों के नतीजे सामने आने पर सार्वजनिक किए जाने चाहिए। साथ ही, भविष्य में यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्माता किसी उत्पाद को बाजार में उतारने से पहले अपने दावों को सच्चाई की कसौटी पर सही साबित करे। निश्चित रूप से पोषण संबंधी मार्केटिंग का मकसद सही जानकारी देना होना चाहिए, न कि लोगों को गुमराह करना।

पिछले हफ्ते, जब फ़्रांस में छात्रों का विरोध

प्रदर्शन जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया।

यह प्रस्ताव ‘इस्लामिस्ट एंटीज़्म’ (इस्लामी

घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड नेटवर्क के

प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक

ईयू रणनीति की आवश्यकता पर केंद्रित

था। पिछले हफ्ते के आखिर में फ़्रांस में

विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए, तो फ़्रांस के

धुर दक्षिणपंथी गुटों ने तुरंत नस्लवादी

भाषा का इस्तेमाल करते हुए इस हिंसा के

लिए मुस्लिम युवाओं को दोषी ठहराया।

जुलाई-अगस्त में, जब सैकड़ों प्रवासियों ने

पड़ोसी मोरक्को से स्पेन के क्षेत्र स्यूटा में

घुसने की कोशिश की, तो स्पेन के धुर

दक्षिणपंथियों ने इसे मोरक्को के लोगों

द्वारा किया गया एक सुनियोजित ‘हमला’

करार दिया। लेकिन अभी पूरे यूरोप में जो

कुछ हो रहा है, उसका ठीकरा मुसलमानों

और वामपंथियों पर फोड़ा जा रहा है।

हालाकि, यह उम्मीद की जा सकती है कि

धुर दक्षिणपंथी गुट संकटों का फायदा

उठाकर इस्लाम-विरोधी भावनाएं

(इस्लामोफ़ोबिया) भड़काएंगे। अब बात

यहीं तक सीमित नहीं रह गई है। पिछले

हफ्ते, जब फ़्रांस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन

जोर पकड़ रहा था, तब यूरोपीय संसद ने

चुपचाप एक प्रस्ताव पारित किया।

विचार

इस्लामो-वामपंथ के विरुद्ध यूरोप में खुला मोर्चा

पुष्परंजन

यह प्रस्ताव ‘इस्लामिस्ट एंटीज़्म’

(इस्लामी घुसपैठ) और मुस्लिम ब्रदरहुड

नेटवर्क के प्रभाव का मुकाबला करने के

लिए एक ईयू रणनीति की आवश्यकता पर

केंद्रित था। इसे संसद के सबसे बड़े समूह,

सेंटर-राइट यूरोपियन पीपल्स पार्टी (ईपीपी)

ने पेश किया था। यूरोपीय आयोग की

अध्यक्ष उर्सुला फ़ॉन देयर लॉयन भी इसी

समूह से आती हैं। यह प्रस्ताव 381 वोटों के

समर्थन से पारित हुआ, जबकि 167 वोट

इसके खिलाफ पड़े। ब्रसेल्स स्थित यूरोपीय

संसद के 15 सदस्य इस मतदान से दूर रहे।

चार अन्य समूहों ने भी लगभग सर्वसम्मति से ईपीपी

का समर्थन किया। इनमें पैट्रियट्स फ़ॉर यूरोप और

यूरोप ऑफ़ सॉवरैन नेशंस (दोनों धुर दक्षिणपंथी

समूह), उदारवादी रिन्यू यूरोप तथा यूरोपियन

कंजर्वेटिव्स एंड रीफ़ॉर्मिस्ट्स शामिल हैं। सोशल

डेमोक्रेट्स, वामपंथी और ग्रीन्स के सांसदों ने

ज्यादातर इसके खिलाफवोट दिया, लेकिन वे इसे रोक

नहीं पाए।

यह प्रस्ताव फ़्रांसीसी सरकार की ‘राजनीतिक

इस्लामवाद’ पर आई एक बेहद विवादास्पद रिपोर्ट पर

आधारित है। इसमें ‘इस्लामिस्ट एंटीज़्म’ को ‘प्रभाव

जमाने, धीरे-धीरे ढांचा तैयार करने, संस्थाओं के

भीतर पैठ बनाने और विचारधारा को वैधता दिलाने

की एक राजनीतिक रणनीति’ के रूप में परिभाषित

किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि ‘इस्लामी

प्रभाव कई तरह के संगठनों और फंडेशनों के जरिए

काम करता है। इनमें सांस्कृतिक, शैक्षिक, धार्मिक,

धर्मार्थ, विश्वविद्यालय, युवा, भेदभाव-विरोधी और

सामाजिक कार्यों से जुड़े ढांचे शामिल हैं।’ यूरोप में

लगभग 45 से 62 मिलियन मुसलमान रहते हैं। ये इस

महाद्वीप की कुल आबादी का लगभग 7.6 फ़ीसदी

हिस्सा हैं। इनमें से सबसे बड़ी संख्या रूस, फ़्रांस,

जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और इटली में रहती है। प्यू

रिसर्च सेंटर के अनुसार, रूस में अधिकतम 17 फ़ैसदी

मुसलमान हैं, जिनमें तातार और चेचेन जैसे मूल

निवासी शामिल हैं। फ़्रांस में करीब 68 लाख

मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का अधिकतम 10

प्रतिशत बताए जाते हैं। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट के

अनुसार, जर्मनी की कुल आबादी में लगभग 7 फ़ैसदी

मुसलमान हैं। ब्रिटेन में 40 लाख मुसलमान हैं, जो



कुल आबादी का लगभग 6 प्रतिशत हैं। इटली में अधिकतम 40 लाख मुसलमान हैं, जो कुल आबादी का लगभग 6 से 7 फ़ैसदी हैं। भारत के मुकाबले ये संख्याएं कुछ भी नहीं हैं। फ़िर भी यूरोप डरा हुआ है। और यह डर दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत करता है। इस प्रस्ताव को लागू करना यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के लिए अनिवार्य नहीं है। लेकिन यूरोपीय राजनीति में इसे दर्ज कराना था, और यह मकसद पूरा हो गया। मुस्लिम ब्रदरहुड और उससे जुड़े लोगों या संस्थाओं को आतंकवादी सूची में डालने की मांग के पूरे यूरोप में लागू होने की संभावना कम है, क्योंकि इस आंदोलन ने राजनीतिक हथियार के रूप में हिंसा का त्याग कर दिया है। फ़िर भी, यह प्रस्ताव एक ऐसे वैचारिक ढांचे को वैधता देता है, जिसके मुस्लिम समुदायों के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। आने वाले दिनों में इसकी नकल भारत में भी हो सकती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। यह प्रस्ताव उन मुस्लिम संस्थानों और संगठनों को संदेह के घेरे में लाता है, जो सरकार से स्वतंत्र होकर काम करते हैं। यह मुस्लिम नागरिक समाज की भागीदारी को एक तरह की ‘घुसपैठ’ के रूप में पेश करता है। प्रस्ताव में ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन नेटवर्क ऑगेंस्ट रेसिज़्म सहित कई संगठनों का नाम लिया गया है, जिन पर इस तरह के ‘इस्लामिस्ट’ व्यवहार को बढ़ावा देने का आरोप है। प्रस्ताव में मांग की गई है कि इन संगठनों को मिलने वाली ईयू फंडिंग रोक दी जाए।

बाहरी ताकतें इसका आसानी से दुरुपयोग कर सकती हैं, और ऐसा हो भी चुका है। उदाहरण के लिए, संयुक्त अरब अमीरात ने यूरोप और अन्य जगहों पर व्यक्तियों और संगठनों को मुस्लिम ब्रदरहुड से

संबद्ध बताकर बदनाम करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। दिलचस्प बात यह है कि प्रस्ताव पेश किए जाने से कुछ महीने पहले, अमीरात के एक राजदूत ने यूरोपीय संसद में आयोजित ‘मुस्लिम ब्रदरहुड : यूरोप के लिए एक वास्तविक खतरा’ शीर्षक वाले सम्मेलन में भाग लिया था। यानी, इसकी भूमिका पहले से ही तैयार कर ली गई थी।

प्रतीकात्मक रूप से, यह प्रस्ताव यूरोप की दक्षिणपंथी मुस्लिम-विरोधी ताकतों के लिए एक बड़ी जीत है। यह प्रस्ताव यह भी दर्शाता है कि यूरोपीय इस्लामोफ़ोबिया किस तरह विकसित हुआ है। अब डर इस बात का नहीं है कि आपरासी अजनबी हैं और ‘एकीकृत’ नहीं हो पा रहे हैं, बल्कि उन मुसलमानों से है, जो अपने लिए बोलने और अपने नागरिक अधिकारों की रक्षा करने में सक्षम हैं। मध्यम दक्षिणपंथी ताकतों के लिए यह इस्लामोफ़ोबिक ढांचा राजनीतिक लाभ लेकर आता है। इसके जरिए वे न केवल मुस्लिम-विरोधी भय फैलाकर चुनावी लाभ उठा सकती हैं, बल्कि उन वामपंथियों पर भी प्रहार कर सकती हैं, जो नस्लवाद को अस्वीकार करते हैं और मुस्लिम समुदायों के पक्ष में खड़े होते हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि फ़्रांस के राजनीतिक परिदृश्य में ‘इस्लामो-वामपंथ’ (फ़्रांसीसी में ‘इस्लामो-गोशिज़्म’) के विचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। वामपंथी पार्टी ला फ़्रांस इंसीमिस (फ़्रांस अनबाउंड) के ज्यां-ल्युक मेलेंशों हाशिए पर पड़े समुदायों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हैं और राष्ट्रपति पद के प्रबल दावेदार हैं। अब उन पर ‘दंगाइयों’ को उकसाने का आरोप लगाया जा रहा है, जिनके बारे में संकेत दिया जा रहा है कि वे मुसलमान हैं। वामपंथियों और मुसलमानों पर यह दोहरा हमला पुराने ‘यहूदी-बोल्शेविक’ साजिश सिद्धांत की याद दिलाता है, जिसमें यहूदियों पर पश्चिमी सभ्यता को नष्ट करने के उद्देश्य से साम्यवाद फैलाने का आरोप लगाया गया था। आज, ‘इस्लामो-वामपंथ’ रूढ़िवादियों, उदारवादियों और धुर दक्षिणपंथियों के लिए एक ‘बलि का बकरा’ बन गया है। उनका मकसद मुसलमानों के बिना एक किलेबंद यूरोप बनाना प्रतीत होता है। इस समय यह कहना मुश्किल है कि फ़्रांस का दक्षिणपंथ भारत से कितना प्रभावित है!

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

वीबी-जी राम जी योजना से संवर रहे गांव, बढ़ रहे रोजगार के अवसर

शशिरत्न पाराशर
उप संचालक

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और उपयोगी परिसंपत्तियों के निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत धमतरी जिले में विभिन्न विकास कार्यों को गति मिल रही है। धमतरी, कुर्दुद, मगरलौड और नगरी विकासखंडों में आजीविका डबरी, निजी एवं सामुदायिक तालाब, बालिका शौचालय, मुक्तधाम शेड, जल स्रोतों में सैंड फ़िल्टर तथा नालियों की सफ़ाई एवं गहरीकरण जैसे कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों से जहां ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, वहीं स्थानीय श्रमिकों को अपने गांव और आसपास ही रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं।

योजना के अंतर्गत आजीविका डबरी, निजी तालाब और सामुदायिक डबरी का निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इन संरचनाओं से वर्षा जल के संचयन, भूजल पुनर्भरण तथा स्थानीय स्तर पर जल उपलब्धता को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। जल स्रोतों में सैंड फ़िल्टर निर्माण के कार्य भी जल



प्रबंधन को सुदृढ़ करने की दिशा में उपयोगी हैं। वहीं, बालिका शौचालयों का निर्माण स्वच्छता एवं छात्राओं की सुविधा को बढ़ावा देने में सहायक है। मुक्तधाम निर्माण ग्रामीणों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराता है। इसी तरह नालियों की सफ़ाई और गहरीकरण से जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनाने तथा गांवों में स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

वीबी-जी राम जी योजना के तहत

संचालित कार्य ग्रामीण श्रमिकों के लिए आजीविका के अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। विभिन्न निर्माण कार्यों में स्थानीय श्रमिकों को नियोजित किए जाने से उन्हें अपने क्षेत्र में ही काम मिल रहा है। योजना के अंतर्गत प्रतिदिन 300 रुपये की मजदूरी मिलने से श्रमिक परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। मजदूरी का नियमानुसार समय पर भुगतान होने से श्रमिकों को अपने परिवार की दैनिक

जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलती है। स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने से काम की तलाश में दूसरे स्थानों पर जाने की मजबूरी भी कम हो सकती है।

इस प्रकार योजना के माध्यम से रोजगार और ग्रामीण विकास को परस्पर जोड़ते हुए गांवों में उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जा रहा है। इन कार्यों का लाभ वर्तमान में रोजगार प्राप्त कर रहे श्रमिकों के साथ-साथ भविष्य में इन

सुविधाओं का उपयोग करने वाले ग्रामीण परिवारों को भी मिलेगा।

जिला पंचायत धमतरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने बताया कि वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण और स्थानीय श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में संचालित कार्यों की प्रगति पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि स्वीकृत कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक और समय-सीमा में पूरे हों तथा श्रमिकों को उनके कार्य के बदले नियमानुसार समय पर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना आवश्यक है। इससे निर्मित परिसंपत्तियों की उपयोगिता लंबे समय तक बनी रहेगी और ग्रामीणों को उनका वास्तविक लाभ मिल सकेगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से गांवों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूती देने, जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

नीलकुरिंजी के समय से पहले खिलने का सवाल

पंकज चतुर्देली

यह पौधा सामान्यतः बारह वर्ष में एक बार सामूहिक रूप से खिलता है। इस क्षेत्र में पिछला बड़ा पुष्पन 2018 में दर्ज हुआ था, इसलिए अगले पुष्पन की उम्मीद 2030 के आसपास थी। लेकिन फूल चार साल पहले ही खिल उठे और वनस्पति वैज्ञानिक इसी से हैरान हैं। पश्चिमी घाट की धुंध में लिपटी कुद्रेमुख की पहाड़ियां इन दिनों नीले-बैंगनी रंग में रंगी हैं। गंगडिकल्लु, चिट्कलगुड्डु और कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की शोला घासभूमियां में नीलकुरिंजी खिली है और प्रकृति-प्रेमी उसे देखने पहुंच रहे हैं। यह पौधा सामान्यतः बारह वर्ष में एक बार सामूहिक रूप से खिलता है। इस क्षेत्र में पिछला बड़ा पुष्पन 2018 में दर्ज हुआ था, इसलिए अगले पुष्पन की उम्मीद 2030 के आसपास थी। लेकिन फूल चार साल पहले ही खिल उठे और वनस्पति वैज्ञानिक इसी से हैरान हैं।

नीलकुरिंजी पश्चिमी घाट की स्थानिक प्रजाति है, यानी यह प्राकृतिक रूप से दुनिया में ही नहीं मिलती। यह लगभग 1,300 से 2,600 मीटर की ऊँचाई पर शोला घासभूमियों में उगती है। केरल के मुन्नार और इडुक्की, तमिलनाडु की नीलगिरि और पलनी की पहाड़ियां तथा कर्नाटक का कुद्रेमुख इसके प्रमुख ठिकाने हैं। यह झाड़ी अपने जीवनकाल में एक ही बार खिलती है। फूल और बीज बनने के बाद पूरा पौधा सूखकर मर जाता है।

सवाल यह है कि सभी पौधे बारह साल तक चुपचाप बढ़ते रहने के बाद एक साथ क्यों खिलते हैं। सबसे प्रचलित व्याख्या इसे जीवित रहने की रणनीति मानती है। अगर हर पौधा अलग-अलग साल फूलता, तो बीज खाने वाले पक्षी और कीट थोड़े-थोड़े बीजों को आसानी से चट कर जाते। लेकिन जब सभी पौधे



एक साथ खिलते हैं, तो इतने बीज पैदा होते हैं कि बीज खाने वाले जीव उन सभी को नहीं खा पाते। जो बीज बच जाते हैं, वे अगली पीढ़ी बनाते हैं। एक साथ खिलने से मधुमक्खियों और तितलियों को भरपूर पराग मिलता है और अलग-अलग पौधों के बीच परागण की संभावना बढ़ती है।

इसके बावजूद, नीलकुरिंजी के बारह साल में एक बार खिलने का रहस्य पूरी तरह नहीं सुलझा है। पौधों के भीतर वह कौन-सी घड़ी है, जो बारह वर्ष गिनती है? पहाड़ों पर दूर-दूर फैले पौधे आपस में तालमेल कैसे बिठाते हैं? इसका पक्का जैविक या आनुवंशिक तंत्र अब तक स्थापित नहीं हुआ है। तामपान, वर्षा और मिट्टी की नमी की भूमिका का अनुमान लगाया जाता है, लेकिन यह अभी केवल अनुमान ही है। इस

बार का समय से पहले खिलना एक सवाल खड़ा करता है। पहली प्रतिक्रिया यही होती है कि यह जलवायु परिवर्तन का असर है। लेकिन कुद्रेमुख में इस पुष्पन के लिए जलवायु परिवर्तन को सीधे जिम्मेदार ठहराने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण अभी नहीं है। वनस्पतिशास्त्रियों की सलाह भी यही है कि उपलब्ध जानकारी के आधार पर इसे सीधे जलवायु परिवर्तन से जोड़ना उचित नहीं होगा।

इस क्षेत्र में पिछले करीब एक महीने से कुछ ही जगहों पर फूल खिल रहे हैं। हो सकता है कि यह पूरी प्रजाति का बड़ा सामूहिक पुष्पन न होकर किसी स्थानीय समूह या पौधों की ऐसी अलग पीढ़ी का पुष्पन हो, जो 2018 में नहीं खिली थी। एमईएम कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष के अनुसार, सीमित स्तर पर पुष्पन इस स्थानीय पौध-समुदाय के चक्र में विविधता का संकेत हो सकता है। केरल के इडुक्की जिले के पीरमेड में भी हाल में सीमित क्षेत्र में फूल आने की खबर आई थी। इससे पता चलता है कि अलग-अलग समूहों के फूलने का समय हर जगह एक-सा नहीं होता। अगर ऐसा है, तो बारह साल की लय उतनी कठोर नहीं है, जितनी हम मानते आए हैं। इस पौधे पर शोध तो हुआ है, लेकिन इसके कई पहलुओं पर अभी भी पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं है। हाल के एक मुक्त-पहुंच समीक्षा-पत्र में इसके वर्गीकरण, पारिस्थितिकी, फूलने के ढर्रे, औषधीय गुणों और संरक्षण से संबंधित उपलब्ध साहित्य को एक जगह जुटाया गया है। उसमें 1838 से 2018 तक के पुष्पन-अभिलेखों का उल्लेख है। इस बार का समय से पहले खिलना हमारी अधूरी समझ को बेहतर बनाने के लिए एक नया और कीमती आंकड़ा है, बशर्ते इसे ठीक से दर्ज किया जाए।

पिछले दो दशकों के तापमान, वर्षा और नमी के

रिकॉर्ड खंगालने होंगे। यह भी मिलान करना होगा कि 2018 में किन ढलानों पर फूल आए थे और अब किन ढलानों पर आए हैं। पश्चिमी घाट के स्थानीय समुदायों के पास पुष्पन की पीढ़ियों पुरानी स्मृतियां हैं, जो उनके लिए समय गिनने का साधन रही हैं। इन स्मृतियों को भी शोध का हिस्सा बनाना चाहिए।

इस फूल की चिंता केवल सुंदरता तक सीमित नहीं है। शोला घासभूमियां पहाड़ों पर पानी को थामने और धीरे-धीरे छोड़ने वाले स्पंज का काम करती हैं। नीलकुरिंजी के फूल मधुमक्खियों, तितलियों और दूसरे परागण करने वाले जीवों के लिए भोजन और पराग का बड़ा स्रोत हैं। लेकिन इसका प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहा है। वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची में इसका पहली बार वैश्विक स्तर पर आकलन किया गया और इसे असुरक्षित श्रेणी में रखा गया।

कुद्रेमुख वन्यजीव प्रभाग के उप वन संरक्षक ने लोगों से अपील की है कि वे दुर्लभ फूलों को निहारें, लेकिन उन्हें छूने, तोड़ने या पौधों को नुकसान पहुंचाने से पूरी तरह बचें। उनके अनुसार, क्षेत्र की लगातार निगरानी हो रही है। ढलानों पर पड़ने वाला हर कदम उस बीज को कुचल सकता है, जिससे अगली पीढ़ी का पौधा उगना है। प्रशासन को भीड़ को तय रास्तों तक सीमित रखना होगा। नीलकुरिंजी का समय से पहले खिलना एक सवाल खड़ा करता है। प्रकृति की घड़ियां उतनी सटीक नहीं हैं, जितनी हमने मान ली थीं। उन्हें समझने के लिए धैर्य, आँकड़ों और विनम्रता की जरूरत है।

इसे जलवायु संकट का प्रमाण घोषित कर देना भी जल्दबाजी होगा और एक सुंदर संयोग कड़कर टाल देना भी। सही रास्ता यही है कि इस पहली को वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जाए।

सुषमा के सेहिल सृजन...

धान की बाली



बीज धरा पर रोपिए, पौधे विविध प्रकार।

सौंधी माटी माँगती, हरियाली श्रृंगार।।

कर्मशील सह साधना, करते सदा किसान।

स्वेद कणों से सींचते, धरती के भावनाएं।।

कण-कण में आभार है, स्नेह भरे संसार।

मात अन्नपूर्णा सदा, तेरी जय-जयकार।।

वसुधा का आशीर्ष है, बाली में झंकार।

धान कर्णों के रूप में, मिला दिव्य उपहार।।

- ▶ जहां कमी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है: राष्ट्रपति
- ▶ विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और महिलाओं की समान भागीदारी आवश्यक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। युवा बड़े सपने देखें, अपने विचारों को व्यापक बनाएं और अपनी सफलता को समाज एवं राष्ट्र की सेवा से जोड़ें। परिस्थितियां और चुनौतियां अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक युवा के भीतर कुछ नया करने, बेहतर बनाने और अपनी पहचान स्थापित करने की ललक होनी चाहिए। जब युवाओं के व्यक्तिगत प्रयास सामूहिक और राष्ट्रीय लक्ष्यों से जुड़ेंगे, तभी देश की प्रगति का मार्ग और अधिक प्रशस्त होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में नुआखाई के अवसर पर आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व एवं युवा प्रबोधन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। राज्यपाल रमन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने नुआखाई की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नुआखाई मिलन केवल एक सांस्कृतिक समारोह नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध परंपराओं, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। ऐसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने, अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और भारतीय जीवन मूल्यों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नुआखाई हमारी कृषि परंपरा को सहेजने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और सामुदायिक भावना को मजबूत करने का पर्व है। अन्न केवल हमारी भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि किसान भाई-बहनों के परिश्रम, धरती की उदारता और प्रकृति के अनमोल उपहार का प्रतीक है।

अन्न का सम्मान करना, किसानों के योगदान को स्वीकार करना और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। राष्ट्रपति मुर्मू ने युवाओं से कहा कि वे जीवन में सीखना कभी बंद न करें। पुस्तकें पढ़ें, प्रश्न पूछें, नई चीजों को समझें और अपने ज्ञान एवं कौशल को निरंतर विकसित करें। जीवन में लक्ष्य तय करें और चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। सफलता और असफलता जीवन का हिस्सा हैं। असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीखकर स्वयं में सुधार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवाओं को ज्ञान के साथ विनम्रता, महत्वाकांक्षा के साथ नैतिकता और सफलता के साथ सेवा-भाव को जोड़ना चाहिए। आपका ज्ञान किसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जीवन देश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत: मुख्यमंत्री साय

युवा बड़े सपने देखें, अपनी सफलता को समाज और राष्ट्र की सेवा से जोड़ें: राष्ट्रपति मुर्मू



विकसित भारत के लिए महिलाओं की समान भागीदारी जरूरी

राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की समान भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। देश की आधी आबादी को आगे बढ़ाए बिना राष्ट्र पूरी क्षमता के साथ प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने महिलाओं से देश और समाज के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने पुरुषों, विशेषकर युवाओं से कहा कि वे अपनी बहनों और बेटियों को ऐसा वातावरण और अवसर प्रदान करें, जिसमें वे बिना किसी बाधा के अपने सपनों को साकार कर सकें। महिलाओं के प्रति सम्मान केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारी सोच, व्यवहार और दैनिक आचरण में भी दिखाई देना चाहिए। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने छत्तीसगढ़ में हो रहे सकारात्मक बदलाव का उल्लेख करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की कि केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों तथा युवाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर प्रदेश के युवा नवसलवाद के भटकाव से मुक्त होकर मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां कभी आतंक का अंधेरा था, वहां आज विकास का उजियारा फैल रहा है। इस परिवर्तन से न केवल युवाओं और उनके परिवारों का कल्याण हो रहा है, बल्कि छत्तीसगढ़ और पूरे भारत के विकास को भी गति मिल रही है।

जरूरतमंद के काम आए, आपकी प्रतिभा किसी समस्या का समाधान करे और आपकी सफलता समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बने, तभी उपलब्धि की वास्तविक सार्थकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र का निर्माण केवल बड़े निर्णयों से नहीं होता, बल्कि करोड़ों नागरिकों के छोटे-छोटे ईमानदार प्रयासों से होता है। प्रत्येक युवा जो भी कार्य करे, उसे ईमानदारी, निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करे। ये गुण विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं के योगदान को और सशक्त बनाएंगे। राज्यपाल रमन डेका ने प्रदेशवासियों को

नुआखाई जुहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व केवल नई फसल के आगमन की खुशी मनाने का अवसर नहीं, बल्कि धरती माता के प्रति कृतज्ञता, किसानों के परिश्रम के सम्मान और मिल-जुलकर खुशियां बांटने का उत्सव है। यह हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति, सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की परंपरा को मजबूत करता है।

राज्यपाल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति को प्रदेश के लिए सौभाग्य और प्रेरणा का अवसर बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष, सादगी, समर्पण और सेवाभाव हम



युवा शक्ति को केंद्र में रखकर आगे बढ़ रहा विकसित छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की निर्णायक भूमिका होगी। राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवा शक्ति को केंद्र में रखकर शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता के अवसरों का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के लिए गीदम, कुनकुरी, जांजगीर-चांपा, मनेन्द्रगढ़ और कवर्धा में पांच नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए हैं। नवा रायपुर में नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना की जा रही है, जहां प्रतिवर्ष लगभग चार हजार युवाओं को आधुनिक तकनीक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण मिलेगा। छत्तीसगढ़ राज्य एआई मिशन के माध्यम से छह लाख विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई औद्योगिक नीति के माध्यम से रोजगार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत युवाओं के नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया गया है। प्रदेश में फरिसिक यूनिवर्सिटी कैपस, निपट और नाइलिट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना की दिशा में भी पहल की गई है।

सभी के लिए प्रेरक है।

उन्होंने युवाओं से सेवा को अपने जीवन का स्वभाव बनाने और नशे एवं भटकाव से दूर रहकर ज्ञान, कौशल और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने रक्तदाताओं, विशेष रूप से महिला रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की महान सेवाओं में से एक है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती

द्रौपदी मुर्मू जी का छत्तीसगढ़ से गहरा आत्मीय संबंध है। प्रदेशवासियों के मन में उनके प्रति अपार आदर और आत्मीयता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू जी का संपूर्ण जीवन संघर्ष, सादगी, सेवा, शिक्षा और दृढ़ संकल्प की प्रेरणादायक मिसाल है। ओडिशा के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की उनकी जीवन यात्रा विशेष रूप से देश की बेटियों, युवाओं तथा जनजातीय और ग्रामीण अंचलों के लिए प्रेरणास्रोत है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में जारी किया 200 रुपए का स्मारक सिक्का



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में पूज्य माता हासी देवी जी के सम्मान में 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर राज्यपाल रमन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित थे। पूज्य शताब्दी दरबार रायपुर की 5 वीं पीठाधीश्व माता साहिब हासी देवी की 200 वीं जयंती पर भारत सरकार वित्त मंत्रालय द्वारा 200 रुपए का स्मारक सिक्का जारी किया गया है। इस स्मारक सिक्के के माध्यम से उनके जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को

ऐतिहासिक मौका था। यह देश-विदेश में रहने वाले करोड़ों सिंधी लोगों के लिए गर्व का विषय है। स्मारक सिक्के का अनावरण होने के बाद श्रद्धालु और सिक्का संग्राहक इसे शताब्दी दरबार की अलग-अलग इकाइयों के माध्यम से बुक कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा जारी इस विशेष सिक्के पर पूज्य माता हासी देवी जी की छवि अंकित है। सिक्के के एक ओर अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष और 200 रुपये का मूल्यवर्ग दर्शाया गया है। इस स्मारक सिक्के के माध्यम से उनके जीवन, विचारों और आध्यात्मिक योगदान को

भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में स्वागत उद्घोषण करने वाली दरबार रायपुर के पीठाधीश्व संत डॉ. युधिष्ठिर लाल जी ने दिया।

इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, मुख्य सचिव विकासशील, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना सहित वरिष्ठ अधिकारी, पूज्य शताब्दी दरबार के सदस्य सहित देशभर से आए हुए जनप्रतिनिधि और सिंधी समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर : मुख्यमंत्री विरासत भी, विकास भी' के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को मिल रही वैश्विक पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिरपुर को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सिरपुर हमारी समृद्ध सभ्यता, कला, आध्यात्मिकता और ज्ञान परंपरा की अनमोल धरोहर है।

प्राचीन काल से ही सिरपुर शिक्षा, संस्कृति, धर्म और स्थापत्य कला का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां की ऐतिहासिक



एवं पुरातात्विक विरासत छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा की जीवंत पहचान है। मुख्यमंत्री ने

ओला इलेक्ट्रिक के वाहनों का पंजीयन लंबित

रायपुर। परिवहन विभाग द्वारा ओला इलेक्ट्रिक, छत्तीसगढ़ के संबंध में वाहन पंजीयन एवं इलेक्ट्रिक वाहनों की सब्सिडी से संबंधित मामलों को गंभीरता से लिया गया है। लगभग 3,000 वाहनों का पंजीयन लंबित है। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए निर्धारित ईवी सब्सिडी हेतु आवेदन भी प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। इसके लिए संबंधित वाहन स्वामियों को शासन की सब्सिडी योजना का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। परिवहन आयुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मामलों में कंपनी द्वारा अपेक्षित कार्यवाही नहीं किए जाने एवं पंजीयन तथा सब्सिडी संबंधी प्रक्रियाओं में लापरवाही के मद्देनजर परिवहन विभाग द्वारा मोटरयान अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। कंपनी को निर्धारित समय-सीमा में अपना पक्ष प्रस्तुत करने तथा लंबित मामलों के संबंध में आवश्यक स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं।

कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'विरासत भी, विकास भी' के संकल्प के साथ देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए पर्यटन और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यूनेस्को की संभावित सूची में सिरपुर का शामिल होना हमारी गौरवशाली विरासत को विश्व

पटल पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इससे सिरपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने के साथ पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिरपुर सहित छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी गौरवशाली विरासत से परिचित हों और छत्तीसगढ़ की संस्कृति की कीर्ति विश्वभर में और अधिक विस्तारित हो।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने की लंबित प्रकरणों की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के सचिव विवेक के. देवांगन के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आज मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर के सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की समीक्षा की गई।

उक्त बैठक में भुवनेश यादव, सचिव अनुसूचित जाति विकास विभाग, दीपांशु काबरा, पुलिस महानिरीक्षक, अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण, पुलिस मुख्यालय, तथा संयुक्त सचिव अनुपम त्रिवेदी, अनुसूचित जाति विकास विभाग, वारा प्रसाद अनुसंधान अधिकारी हैदराबाद बालाजी राव आई.जी. आ.ज.क., कलेक्टर बलौदाबाजार, कलेक्टर बिलासपुर, कलेक्टर राजनांदगांव, कलेक्टर महासमुद,



कलेक्टर रायगढ़, कलेक्टर कोरबा एवं विभिन्न जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

इस महत्वपूर्ण बैठक में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और जेल विभाग से जुड़े अनुसूचित जाति के कर्मचारियों के सेवा संबंधी प्रताड़ना, स्थानांतरण में भेदभाव और पेंशन लाभ न मिलने जैसे प्रकरणों पर कड़ी सुनवाई की गई।

युवा उड़ान 2026 : युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और संकल्प से साकार होगा विकसित भारत का सपना

क्षामक सूचनाओं से बचें युवा, विकसित भारत के निर्माण में निभाएं सक्रिय भूमिका - मंत्री लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, उनकी आकांक्षाओं को समझने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग एवं जिला प्रशासन कोरबा द्वारा आज पंडित जवाहरलाल नेहरू सभागार में 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं को शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, खेल एवं व्यक्तित्व निर्माण के अवसरों का लाभ उठाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रेरित किया गया।



कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापकों तथा स्कूल, कॉलेज, आईटीआई और लाइवलीहुड से जुड़े छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने अपने संबोधन में युवाओं से सकारात्मक सोच, विवेक और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने तथा किसी भी भ्रामक सूचना या बहकावे में आए बिना देश एवं प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'एक

राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा चुनावी खर्च कम करने तथा बार-बार लागू होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं को कम करने में सहायक हो सकती है। चुनावी प्रक्रिया में प्रशासनिक अमले और सरकारी संसाधनों के लंबे समय तक व्यस्त रहने से जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की गति प्रभावित होती है। संसाधनों का बेहतर उपयोग कर विकास की प्रक्रिया को गति देना और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के

लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ना आवश्यक है। मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक परिवार को आवास, शौचालय, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाते हुए अपनी क्षमता का विकास करना चाहिए और मेहनत के बल पर अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए।

कोरबा जिले में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के माध्यम से शिक्षा एवं अप्रोसंरचना के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की आर्थिक परिस्थितियों का अनुकूल उच्च शिक्षा में बाधा न बनें, इसके लिए सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास

किए जा रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, छात्रावासों एवं महाविद्यालय भवनों के निर्माण और मरम्मत के साथ महाविद्यालयों में सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों के लिए डोम निर्माण की पहल की जा रही है। जिले में मेडिकल कॉलेज का शुरुआत तथा सड़क एवं रेल संपर्क के विस्तार जैसे विकास कार्य कोरबा के भविष्य को मजबूत आधार प्रदान करेंगे। उन्होंने युवाओं से इन अवसरों का सदुपयोग कर प्रदेश और देश की प्रगति में सहभागी बनने की अपील की। इस अवसर पर मंत्री देवांगन ने प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम परिसर स्थित राजीव गांधी ऑडिटोरियम के नवीनीकरण के लिए जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) से 2 करोड़ रुपये की स्वीकृति की घोषणा की। इस पहल से जिले में कार्यक्रमों, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य आयोजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JATU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली कैल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539



क्या सारा अली खान के करियर में पंख लगा पाएगी ‘उड़ता तीर’

अभिनेत्री सारा अली जल्द ही फिल्म ‘उड़ता तीर’ में नजर आने वाली हैं। इससे पहले अभिनेत्री ‘पति पत्नी और वो दो’ में नजर आई थीं। ‘उड़ता तीर’ से पहले नजर डालें सारा के फिल्मी करियर पर।

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म ‘उड़ता तीर’ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर आयुष्मान खुराना लीड रोल में नजर आएंगे। इससे पहले नजर डालिए सारा की हिट और फ्लॉप फिल्मों की एक लिस्ट पर और जानिए क्या ये आने वाली फिल्म सारा के करियर ग्राफ को उंचाई दे पाएगा।

पटौदी परिवार से ताल्लुक

सारा अली खान बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अभिनेता सैफ अली खान और अभिनेत्री अमृता सिंह की बेटी हैं। सारा का जन्म 12 अगस्त 1995 को हुआ था। वह पटौदी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। सारा अली खान ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से इतिहास और राजनीति विज्ञान में डिग्री हासिल की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा।

डेब्यू ईयर में दी दो बड़ी फिल्में

साल 2018 में उन्होंने फिल्म ‘केदारनाथ’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे। फिल्म में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया और इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवार्ड भी मिला। फिल्म को दर्शकों से और क्लिटक्स के काफी प्यार मिला था। सुशांत और सारा की जोड़ी को भी काफी सराहा गया था। ‘केदारनाथ’ के बाद सारा अली खान उसी साल फिल्म ‘सिबा’ में नजर आईं। रणवीर सिंह के साथ उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। शुरुआत में ही दो हिट फिल्में देने के चलते सारा चर्चित

अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

फिर लगा करियर पर ब्रेक

हालांकि इन दो फिल्मों के बाद सारा के करियर को एक बड़ा धक्का लगा। 2020 में कार्तिक आर्यन के साथ आई ‘लव आज कल’ और वरुण धवन के साथ आई ‘कूली नंबर 1’ बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गईं और क्लिटक्स की ओर से भी फिल्म को लेकर नेगेटिव रिव्यू सामने आए।

2018 के 5 साल बाद विक्की कौशल के साथ आई फिल्म ‘जरा हटके जरा बचके’ से सारा ने थोड़ी राहत की सांस ली होगी, क्योंकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमर्शियली हिट साबित हुई थी। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में केवल एक फिल्म का हिट होना काफी नहीं होता है।

इसके बाद सारा की आईं सभी 3 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एवरेज साबित हुईं। इनमें- ‘स्काई फोर्स’, ‘मेट्रो इन दिनों’ और ‘पति-पत्नी और वो दो’ शामिल हैं। इसका मतलब है कि डेब्यू ईयर में दो सफल फिल्में देने के बाद सारा के लिए आने वाला कोई साल खास नहीं रहा। सारा ने इस बीच कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहीं, लेकिन उन्हें वो फिल्म नहीं मिल पाई, जो उनके करियर के लिए माइलस्टोन साबित हो सके।

ओटीटी पर भी आजमाई किस्मत

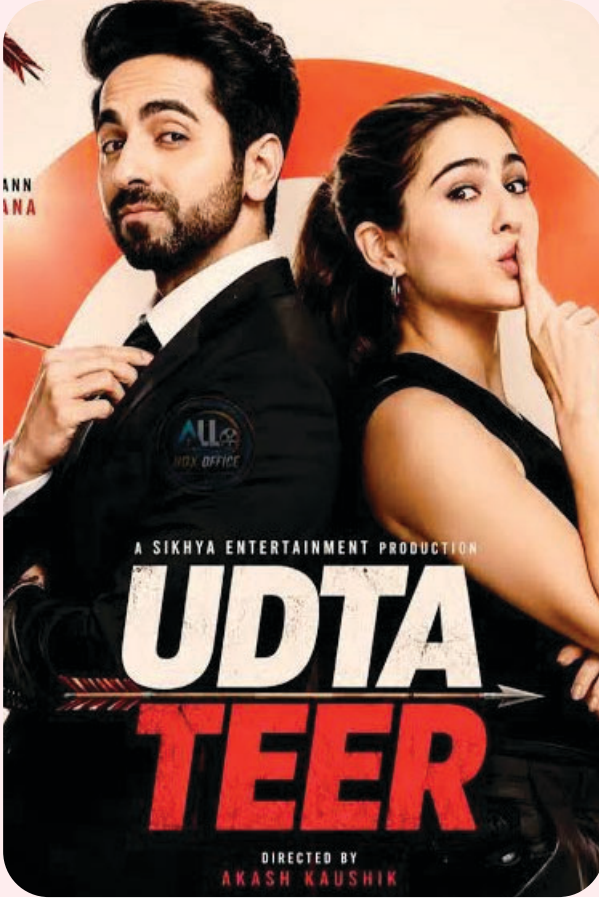
इस बीच सारा ने अपने करियर में ऐसी फिल्में भी कीं, जो ओटीटी पर रिलीज हुईं। साल 2021 में सारा फिल्म ‘अतरंगी रे’ में नजर आईं। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और धनुष ने काम किया। फिल्म को दर्शकों से ठीक-ठाक प्यार मिला।

2021 में सारा ‘गेसलाइट’ फिल्म में नजर आईं, जिनमें उनके साथ विक्रान्त मैसी लीड रोल में थे। इसके अलावा इसी साल उनकी एक और मल्टीस्टारर फिल्म ‘मर्डर मुबारक’ भी आई। दोनों ही फिल्में दर्शकों का ध्यान नहीं खींच पाईं।

अब ‘उड़ता तीर’ से उम्मीद

अब सारा अली खान को अपनी आने वाली फिल्म से काफी उम्मीदें होंगी। ‘उड़ता तीर’ में आयुष्मान खुराना और सारा अली खान मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन आकाश कौशिक ने किया है।

यह फिल्म एक्शन और कॉमेडी से भरपूर बताई जा रही है। फिल्म शुक्रवार, 23 अक्टूबर को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब देखना होगा कि क्या उड़ता तीर सारा को फिल्म केदारनाथ जैसी उंचाई तक ले जा पाती है या ये भी एक औसत फिल्म बनकर रह जाती है।



अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट

कहा - मां से मिले दो महीने हो गए, पूछ रही हैं, तू कब आएगा?

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं।

अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया?

अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, मैं वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठाकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।

अनुपम खेर ने आगे लिखा, फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है। अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहीं? कोई बात नहीं। उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं मैं कितना कुछ होता है।

अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूं, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक्र करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते हुए। आपका चेहरा कैसे भूल सकता हूं, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।



अभिनेता मौली तनुज प्रशांत की आगामी तेलुगु क्राइम-कॉमेडी फिल्म डोंगा ना कोडुकु के निर्माताओं ने बुधवार को इसका मजेदार टीजर जारी किया। श्रीनु कंबाला के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर दर्शकों को हंसी और मनोरंजन की भरपूर झलक देता है। कई सफल फिल्मों का निर्माण कर चुका प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर टीजर का लिंक साझा किया। निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, भद्रम, सावधान रहना भाई... डोंगा ना कोडुकु और उसका परिवार आ गया है। फिल्म का टीजर

मौली तनुज प्रशांत की फिल्म डोंगा ना कोडुकु का टीजर जारी

रिलीज हो गया है। डोंगा ना कोडुकु 13 नवंबर से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने आ रही है। फिल्म का निर्देशन श्रीनु कंबाला ने किया है, जो इस फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। फिल्म 13 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की कहानी ईश्वर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बीटेक की पढ़ाई बीच में छोड़ चुका है। उसके माता-पिता पैसों को बहुत महत्व देते हैं। उसकी जिंदगी में एक करीबी दोस्त और गर्लफ्रेंड भी है। हालांकि, ईश्वर अपनी अगली जिंदगी में इनमें से किसी को नहीं चाहता और उसकी इच्छा सिर्फ पैसा पाने की है।

कहानी में चोरी और अपराध के तत्वों की एंट्री के साथ घटनाक्रम दिलचस्प मोड़ लेता है। फिल्म में हास्य के साथ क्राइम का मेल देखने को मिलेगा। टीजर का अंत समुद्र तट पर ईश्वर और उसकी गर्लफ्रेंड के बीच खाने को लेकर होने वाली मजेदार नोकझोंक के साथ होता है। फिल्म लिटिल हार्ट्स में अपने अभिनय के लिए सराहना हासिल करने वाले मौली तनुज प्रशांत एक बार फिर अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसाते नजर आएंगे।

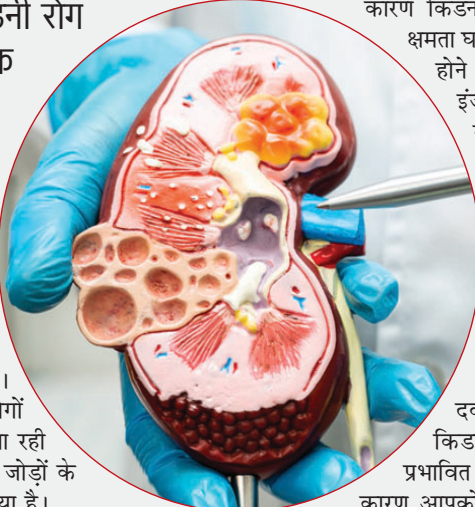
टीजर में पाउडर वाला दृश्य, जिंदगी को लेकर मौली के किरदार का मजेदार नजरिया और टिफिन से जुड़ा हास्यपूर्ण प्रसंग शामिल है।

सिरदर्द की दवा कहीं किडनी को तो नहीं पहुंचा रही नुकसान?

इबुप्रोफेन और नेप्रोक्सेन जैसी एनएसएआईडी पेनकिलर का लंबे समय तक इस्तेमाल या डिहाइड्रेशन के दौरान सेवन किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और किडनी रोग वाले लोगों को अधिक सावधानी रखनी चाहिए।

मेडिकल रिपोर्ट्स में लगातार अलर्ट किया जाता रहा है कि शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए खान-पान और लाइफस्टाइल को ठीक रखना सबसे जरूरी है। हालांकि जिस तरह से लोगों की दिनचर्या खराब होती जा रही है इसने सिरदर्द, कमर दर्द, जोड़ों के दर्द को काफी आम कर दिया है।

आमतौर पर शरीर में दर्द होते ही ज्यादातर लोग ओवर-द-काउंटर पेनकिलर लेना शुरू कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि ये छोटी सी लगने वाली आदत आपकी सेहत के लिए कई तरह से मुश्किलें बढ़ाने वाली हो सकती है? डॉक्टर की सलाह के बिना बार-बार दर्द निवारक दवाएं लेना किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इबुप्रोफेन और नेप्रोक्सेन जैसी नॉनस्टेरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसएआईडी) दवाएं किडनी में रक्त प्रवाह को प्रभावित कर सकती हैं।



एनएसएआईडी यानी नॉन-स्टेरोयडल एंटी-इन्फ्लेमेटरी ड्रग्स दर्द और सूजन कम करने के लिए इस्तेमाल होती हैं। ये दवाएं किडनी में रक्त प्रवाह बनाए रखने में मदद करने वाले कुछ पदार्थों के निर्माण को रोक सकती हैं। लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से किडनी का काम प्रभावित हो सकता है।

लंबे समय तक एनएसएआईडी दवाओं के कारण किडनी के काम करने की क्षमता घट जाती है। डिहाइड्रेशन होने पर अचानक किडनी इंजरी का खतरा बढ़ सकता है।

वहीं जिन लोगों को पहले से किडनी की बीमारी है उन्हें इस तरह की दवाओं को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। बार-बार पेनकिलर दवाएं लेते रहने से किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है। इसके कारण आपको कई तरह की दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

पेशाब की मात्रा काफी कम होना। पैरों, टखनों या चेहरे पर सूजन आना। बहुत ज्यादा थकान या कमजोरी। सांस फूलना या शरीर में तरल पदार्थ जमा होना। डॉक्टर कहते हैं बिना प्रिस्क्रिप्शन के लंबे समय तक पेनकिलर न लें। इसके अलावा उल्टी, दस्त या बुखार होने पर पानी की कमी का खतरा बढ़ जाता है ये स्थितियां भी किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं।

एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर को पर्दे पर दुल्हन बनना पसंद, टीवी शो वसुधा के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो वसुधा में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं।

शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूली और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा,

दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे। प्रिया ने कहा, शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूली और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है। मुझे खूबसूरत और रॉयल आउटफिट्स के साथ जूली पहनना अच्छा लगता है, हालांकि उन्हें लंबे समय तक संभालकर रखना आसान नहीं होता।

देव का किरदार निभाने वाले अभिषेक शर्मा भी इस शादी के ट्रैक को लेकर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि देव और वसुधा को आखिरकार उनकी खुशियों भरी जिंदगी मिल रही है, जिसका फैस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। शादी के ट्रैक की शूटिंग काफी एक्साइटिंग होती



है। हमारी टीम काफी मेहनत कर रही है, जिससे पूरा काम आसान और मजेदार बन जाता है। पूरी कास्ट भी काफी प्रोफेशनल और सपोर्टिव है। जब आसपास इतने अच्छे लोग हों, तो मुश्किल सीन भी यादगार बन जाते हैं। शो में इससे पहले हल्दी, मेहंदी, संगीत और शादी की रस्मों जैसे कई फंक्शन दिखाए जा चुके हैं। अब देव और वसुधा की शादी का यह ट्रैक दर्शकों के लिए खास होने वाला है।

खास-खबर

सरगुजा के 11 गांवों को मिली बेहतर सड़क सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने और दूरस्थ गांवों को बेहतर आवागमन सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लुण्डा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बबौली-बिलमा मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। लगभग 2.40 करोड़ रुपये की स्वीकृति से निर्मित 2.20 किलोमीटर लंबे इस मार्ग से क्षेत्र के 11 गांवों के हजारों ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। सड़क के साथ 5 नवीन पुल-पुलियों का निर्माण होने से ग्रामीणों को विशेषकर वर्षा ऋतु में आवागमन संबंधी परेशानियों से राहत मिलेगी। इस सड़क के निर्माण से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापारिक गतिविधियों के लिए विकासखंड एवं जिला मुख्यालय तक पहुंच अधिक सुगम होगी। लोक निर्माण विभाग, संभाग अम्बिकापुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार बबौली-बिलमा मार्ग के निर्माण एवं उन्नयन के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 14 अक्टूबर 2024 को 239.82 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। निर्माण कार्य के लिए मेसर्स जवाहर लाल गुप्ता के साथ 239.95 लाख रुपये का अनुबंध किया गया।

वीबी-जी राम जी योजना से संवर रहे गांव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, रोजगार सृजन और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में वीबी-जी राम जी योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से गांवों में उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण कर ग्रामीण विकास को नई गति दी जा रही है। इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में नए तालाब, डबरी, कच्ची नाली और बालिका शौचालय सहित अनेक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इन कार्यों से जहां ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं स्थानीय श्रमिकों को अपने गांव में ही रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, जल संसाधनों के संरक्षण और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री जननम आवास योजना से पहाड़ राम का पक्के घर का सपना हुआ साकार

रायपुर। हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना एक पक्का घर हो, जहां वह अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सके। लेकिन आर्थिक अभाव के कारण कई जरूरतमंद परिवारों के लिए यह सपना वर्षों तक अधूरा रह जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम जनमन आवास योजना ऐसे ही परिवारों के सपनों को साकार कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वर्नाचलों और जनजातीय क्षेत्रों में इस योजना का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच रहा है। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडापाठ निवासी पहाड़ राम की कहानी भी इसी सकारात्मक बदलाव का उदाहरण है। सर्दियों में ठंडी हवाओं और गर्मियों में तेज तपन से परिवार को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण वे चाहकर भी अपने परिवार के लिए पक्का मकान नहीं बना पा रहे थे।

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की पहल निर्यात कार्यशाला में उद्यमियों को मिला मार्गदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा कृषि विकास सहकारी समिति रायपुर के माध्यम से निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिले के व्यापारियों, उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधियों सहित कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसर तलाशना तथा उद्यमियों को निर्यात की प्रक्रियाओं से परिचित कराना था।

कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उद्यमियों को जिले में उपलब्ध उत्पादों के निर्यात की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने राजस्थान और पंजाब के



विभिन्न उद्योगों का उदाहरण देते हुए कहा कि उद्यमशीलता, बेहतर योजना और निरंतर प्रयास से व्यवसाय को विस्तार दिया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पाद एवं खनिज संसाधन उपलब्ध हैं। इन संभावनाओं का उपयोग करते हुए उद्यमियों को उत्पादन और विपणन के नए अवसरों की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

एपीडा की ओर से उपस्थित श्री

अशोक कुमार बोरा ने निर्यात हेतु पंजीयन, आयात-निर्यात कोड पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने उद्यमियों को अपने उत्पादों के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसर तलाशने और निर्यात गतिविधियों में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर रसना बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड के संचालक एवं



बरेठ समाज को नए सामुदायिक भवन की सुविधा मिली है, वहीं कहरा समाज को भी विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी जा रही है।

मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के सशक्त नेतृत्व में कोरबा में विकास कार्यों

को लगातार गति मिल रही है। बीते तीन वर्षों में 1100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। हमारा प्रयास है कि स्वीकृत कार्य जल्द से जल्द धरातल पर उतरें और आम नागरिकों को उनका लाभ मिले। उन्होंने बताया कि आने वाले एक से दो महीनों

में 100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी।

इन विकास कार्यों की मिली सौगात

इस दौरान उद्योग एवं श्रम मंत्री देवांगन ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी। लोकार्पण

उद्योग मंत्री ने किया 96.76 लाख के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगनकोरबा के ढोढ़ीपारा में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न समाजों एवं वार्डों में विकास कार्यों की सौगात देते हुए कुल 96.76 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 15 अंतर्गत जीटी हॉस्टल, सीएसईबी के नहर पुल के समीप बरेठ समाज की मांग पर डीएमएफमद से 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। वहीं, वार्ड क्रमांक 18 कोहड़िया एवं आसपास के क्षेत्रों में 81.76 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि बीते पीने तीन वर्षों में कोरबा शहर के सभी समाजों की मांगों के अनुरूप विकास कार्य कराए जा रहे हैं। लगभग 60 समाजों को विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी जा चुकी है। आज

को लगातार गति मिल रही है। बीते तीन वर्षों में 1100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। हमारा प्रयास है कि स्वीकृत कार्य जल्द से जल्द धरातल पर उतरें और आम नागरिकों को उनका लाभ मिले। उन्होंने बताया कि आने वाले एक से दो महीनों

में 100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी।

इस दौरान उद्योग एवं श्रम मंत्री देवांगन ने विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी। लोकार्पण

कार्य में वार्ड क्रमांक 15, जीटी हॉस्टल सीएसईबी के नहर पुल के समीप बरेठ समाज के लिए सामुदायिक भवन निर्माण लगातार राशि 15 लाख रुपये है।

इसी तरह भूमिपूजन कार्य में वार्ड क्रमांक 18, कोहड़िया में मुक्तिधाम निर्माण एवं विकास कार्य जिसकी लागत राशि 48.61 लाख रुपये है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 18 में पचरी निर्माण कार्य — 6.60 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 18, बावापारा कोहड़िया में पचरी निर्माण कार्य — 6.57 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 18 में सामुदायिक भवन के समीप पेवर ब्लॉक, शेड एवं अतिरिक्त विकास कार्य — 9.98 लाख रुपये शामिल है। साथ ही कहरा मोहल्ला सामुदायिक भवन के समीप शौचालय, किचन शेड एवं सांस्कृतिक मंच निर्माण 10 लाख रुपये, 15 लाख रुपये के कार्य का लोकार्पण और 81.76 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने की तथा नगर निगम सभापति नूतन ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

भत्त एवं गरिमामय ढंग से आयोजित होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह



श्रीकंचनपथ न्यूज

कलेक्टर प्रजापति ने जिले में

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 02 नवंबर को जिला मुख्यालय कवर्धा में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन भव्य एवं गरिमामय ढंग से किया जाएगा। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को आयोजन से संबंधित दायित्वों का गंभीरता एवं समन्वय के साथ निर्वहन करने को कहा। बैठक में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा भी की गई।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के उद्घाटन मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स की जीत, राजधानी रॉयल्स को 2-1 से हराया



हिमांशु मलिक रोकने में नाकाम रहे। दूसरे क्रॉटर की शुरुआत में केतन कुशवाहा ने शानदार मैदानी गोल कर न्यायधानी नाइट्स की बढ़त 2-0 कर दी। केतन ने विपक्षी टीम के कुछ रक्षकों को छकाते हुए गेंद गोलपोस्ट में पहुंचाई।

इसके ठीक एक मिनट बाद न्यायधानी नाइट्स को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिला, लेकिन टीम पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सकी। दूसरी ओर, राजधानी रॉयल्स के कप्तान ललित उपाध्याय ने मिडफील्ड में आक्रामकता बढ़ाते हुए टीम को मुकाबले में वापस लाने का प्रयास किया। हालांकि, राजधानी

रॉयल्स भी उसे मिले दुर्लभ पेनल्टी कॉर्नर का फायदा नहीं उठा सकी। न्यायधानी नाइट्स के सुरेंद्र सिंह ने रक्षापंक्ति में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विपक्षी टीम के कुछ रक्षकों को छकाते हुए गेंद गोलपोस्ट में पहुंचाई।

इसके ठीक एक मिनट बाद न्यायधानी नाइट्स को अपनी बढ़त और मजबूत करने का मौका मिला, लेकिन टीम पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सकी। दूसरी ओर, राजधानी रॉयल्स के कप्तान ललित उपाध्याय ने मिडफील्ड में आक्रामकता बढ़ाते हुए टीम को मुकाबले में वापस लाने का प्रयास किया। हालांकि, राजधानी

संजीत तिकौं द्वारा स्टिक चेक किए जाने के कारण पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन टीम इसे गोल में नहीं बदल सकी। इसके बाद मिले अगले मौके पर भी टीम को सफलता नहीं मिली। केतन कुशवाहा ने विपक्षी टीम के डी क्षेत्र में लगातार गोल करने के प्रयास किए, लेकिन उनके शॉट्स में सटीकता की कमी रही। दूसरी ओर, तीसरे क्रॉटर में राजधानी रॉयल्स के खिलाड़ियों ने भी कई बार विपक्षी टीम के डी क्षेत्र में प्रवेश किया, लेकिन अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी के कारण ये प्रयास गोल में तब्दील नहीं हो सके। चौथे क्रॉटर में खेल की गति कुछ धीमी रही। राजधानी रॉयल्स के कप्तान मुकाबले में वापसी करने की चुनौती थी, लेकिन टीम की अग्रिम पंक्ति प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सकी। गोल करने के कई अवसर गंवाने के कारण टीम पर दबाव बढ़ता गया। इसी क्रॉटर में मुकाबले के दौरान दूसरी बार खिलाड़ियों को चोट लगी। राजधानी रॉयल्स के पहले रशर प्रेमचंद सोय की न्यायधानी नाइट्स के चिराग से जोरदार टक्कर हो गई।

छत्तीसगढ़ की दो महिला क्रिकेटर्स का कमाल: डब्लूपीएल 2026 ऑक्शन के लिए चुनी गई पलक सिंह और श्रेया श्रीवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की युवा महिला क्रिकेट के लिए एक गर्व का पल आया है। राज्य की दो प्रतिभावान महिला अंडर-19 खिलाड़ियों-पलक सिंह और श्रेया श्रीवास-का चयन आगामी वूमैस प्रीमियर लीग 2026 के ऑक्शन के लिए किया गया है। यह ऑक्शन आगामी 28 अक्टूबर को कोच्चि, केरल में आयोजित होगा। **पलक सिंह:** रफ्तार और धारदार



गेंदबाजी का जलवा, दाएं हाथ की तेज गेंदबाज पलक सिंह ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पिछले साल खेले गए 8 मैचों में उन्होंने 5 विकेट झटकें। इसके अलावा, गत वर्ष आयोजित 'डब्लू पी एल स्पीड

क्रोन' प्रतियोगिता में पलक ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। उन्होंने 106 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किया था।

श्रेया श्रीवास: शानदार विकेट-टेकर का बेहतरीन सफ़र, दूसरी ओर, श्रेया श्रीवास ने भी अपने बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। श्रेया ने पिछले वर्ष शानदार लय दिखाते हुए कुल 17 विकेट प्राप्त किए थे।

उनके इस निरंतर और धारदार प्रदर्शन के चलते ही उन्हें डब्लूपीएल के इस बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। इन दोनों युवा खिलाड़ियों के चयन से राज्य के खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है। अब सभी की निगाहें 28 अक्टूबर को होने वाले ऑक्शन पर टिकी हैं, जहां यह देखना दिलचस्प होगा कि इन उभरती हुई प्रतिभाओं को कौन सी फ्रेंचाइजी अपने पाले में शामिल करती है।

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं प्रहलत उपलब्ध यहाँ
उचित व्याज दर पर धरिवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

झांकी देखने जा रहे युवक को बाइक ने ठोका, मौत

राजनांदगांव। विसर्जन झांकी देखने आतरगांव से अंबागढ़ चौकी जा रहे बाइक सवार को तेज रफ्तार बाइक ने टकरा मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल मोपेड सवार ने हॉस्पिटल पहुंचने से पहले दम तोड़ दिया। वहीं बाइक के चालक को भी गंभीर चोट आई है। हादसा बुधवार रात करीब 11 बजे हुआ। जानकारी के मुताबिक ग्राम आतरगांव में रहने वाले पवित्र चौहान (42) अपनी मोपेड से रात में अंबागढ़ चौकी जा रहे थे। तभी उन्हें विपरीत दिशा से आ रहे बाइक चालक शौर्य वैद्य ने जोरदार टकरा मार दी। हादसे में पवित्र चौहान के सिर में गंभीर चोट आई थी। जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं शौर्य वैद्य का इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

शिवनाथ में मिली महिला की लाश, पति हिरासत में

राजनांदगांव। शहर के मोहारा स्थित शिवनाथ नदी के पुराने पुल के पास बुधवार सुबह 22 वर्षीय युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान स्टेशनपारा निवासी निशा बोरकर के रूप में हुई है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और युवती के पति रिंकू को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पति पर युवती को नदी में धकेलने का आरोप है। हालांकि, युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

किराना दुकान में बिक रही थी शराब, आरोपी गिरफ्तार

मुलमुला। ग्राम जेवरा में किराना दुकान के काउंटर के पास बिक्की के लिए छिपाकर रखी गई 70 पाब शराब जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। 22 अक्टूबर को थाना मुलमुला पुलिस को मुखबि्र से सूचना मिली कि ग्राम जेवरा निवासी बलराम कश्यप अपनी किराना दुकान में काउंटर के पास अवैध रूप से शराब छिपाकर बिक्की कर रहा है। पुलिस गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दुकान में 2 डे कार्रवाई की। आरोपी बलराम कश्यप उम्र 47 वर्ष, निवासी जेवरा थाना मुलमुला, गिरफ्तार कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

तीन दिन से लापता बच्ची का झाड़ियों में मिला शव

राशन दुकान जाने निकली थी, अर्धनग्न हालत में मिली लाश, हत्या की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 3 दिन से लापता 7 साल की बच्ची का शव गुरुवार को पोल्ट्री फार्म के पीछे झाड़ियों में मिला। जानकारी के अनुसार बच्ची की लाश अर्धनग्न हालत में मिली थी, जिससे रेप के बाद हत्या जी आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। मामला रजगामार चौकी क्षेत्र का है।

मासूम का परिवार करीम पोल्ट्री फार्म में काम करता है। 19 अक्टूबर को पिता ने बच्ची को घर के पास स्थित राशन दुकान पर घरेलू सामान लेने भेजा था, लेकिन जब वह नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। काफी तलाश करने के बाद परिवार ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस पूरे मामले का खुलासा कर सकती



है। जानकारी के अनुसार, बच्ची का परिवार मूल रूप से सकी जिले का रहने वाला है। परिवार करीब चार महीने पहले अपने चार बच्चों के साथ काम की तलाश में रजगामार आया था।

परिवार करीम पोल्ट्री फार्म में रहकर रोजी-मजदूरी करता था और इसी से अपना भरण-पोषण कर रहा था।

19 अक्टूबर को दोपहर करीब डेढ़ बजे

बच्ची के पिता ने उसे घर के पास स्थित राशन दुकान से घरेलू सामान लाने के लिए भेजा था। बच्ची दुकान जाने के लिए निकली, लेकिन काफी देर तक घर नहीं लौटी।

इसके बाद परिजनों ने आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की। कोई जानकारी नहीं मिलने पर रजगामार चौकी में बच्ची के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई।

सीसीटीवी खंगाले, डॉंग स्कॉयड से भी तलाश

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने बच्ची की तलाश शुरू की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। खोजबीन में डॉंग स्कॉयड की भी मदद ली गई, लेकिन दो दिन तक बच्ची का पता नहीं चल सका।

गुरुवार को करीम पोल्ट्री फार्म के पीछे झाड़ियों में बच्ची का शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को

अपने कब्जे में लिया। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम और डॉंग स्कॉयड को भी बुलाया गया, ताकि जरूरी साक्ष्य जुटाए जा सकें।

बच्ची के पिता ने बताया कि उनका परिवार दूसरे जिले से काम करने के लिए रजगामार आया था। उनकी किसी से दुश्मनी नहीं है। उन्होंने कहा कि बेटी के साथ क्या हुआ, यह उनकी समझ से परे है।

सीएसपी बोले- शुरुआती जांच में हत्या का मामला

सीएसपी कोरबा प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। फिलहाल, पुलिस को शुरुआती जांच मामला हत्या का लग रहा है।

बच्ची के साथ रेप हुआ था या नहीं और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी।

दुर्ग भिलाई के 11 थानों में जमा 33 हजार लीटर प्रेम संबंध में शक बनी हत्या की वजह से ज्यादा शराब को पुलिस ने किया नष्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के 11 थानों में जमा 33 हजार लीटर से ज्यादा शराब गुरुवार को पुलिस द्वारा नष्ट किया गया। यह शराब 2011 से पूर्व दर्ज आबकारी प्रकरणों में जब्त की गई थी। न्यायालय व कलेक्टर के आदेशानुसार उक्त शराब को विधिवत नष्टीकरण किया गया। इस कार्रवाई के अंतर्गत कुल 294 प्रकरणों में जब्त 33,920.145 बल्क लीटर मदिरा का निपटारा किया गया। जिला दुर्ग के विभिन्न थानों में वर्ष 2011 से पूर्व दर्ज आबकारी प्रकरणों में जब्त मदिरा नियमानुसार निपटारा के लिए सुरक्षित रखी गई थी। निर्धारित अवधि के बाद मानव उपभोग के योग्य नहीं रह गई



मदिरा के नष्टीकरण की कार्रवाई माननीय न्यायालय एवं माननीय जिलाधीश के आदेशानुसार की गई। इसी क्रम में जिला दुर्ग के 11 थानों के कुल 294 आबकारी प्रकरणों में जब्त मदिरा को नष्टीकरण के लिए शामिल किया गया। मदिरा नष्टीकरण की कार्रवाई में सुप्रिया शर्मा,

एडीओ, आबकारी विभाग; एसडीएम, भिलाई नगर, नगर पुलिस अधीक्षक निशान पाठक तथा एसडीएम उत्तम सिंह ने सहभागिता की। संबंधित मदिरा नष्टीकरण टीम तथा पुलिस, आबकारी एवं प्रशासनिक अमले के समन्वय से निर्धारित प्रक्रिया के तहत मदिरा का विधिवत नष्टीकरण संपन्न कराया गया।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन अथवा बिक्की से संबंधित जानकारी पुलिस को दें। ऐसी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। दुर्ग पुलिस कानून का पालन सुनिश्चित करने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम नेवासपुर में 17 वर्षीय नाबालिग की संदिग्ध मौत के मामले में मुंगेली पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मृतका के प्रेम संबंध और किसी अन्य युवक से बातचीत करने की शंका के चलते मुख्य आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के मुताबिक, 20 अक्टूबर की रात परिजनों को नाबालिग अपने बिस्तर पर बेहोशी की हालत में मिली। उसके गले पर चोट और खरोंच के निशान थे. सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराया। जांच के दौरान हत्या की आशंका सामने आने पर धारा 103 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई. प्रेम संबंध को लेकर हुआ था मामले की गंभीरता को देखते हुए एमएसपी भोजराम पटेल के निर्देश पर सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई।

जांच में मृतका का ग्राम लिलवाकापा निवासी अजीत घुलहरे से प्रेम संबंध होने की जानकारी सामने आई। संदेह के आधार पर पुलिस ने अजीत को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने वर्ष 2021 से मृतका के साथ प्रेम संबंध होने



की बात स्वीकार की। करीब एक साल पहले मृतका के किसी अन्य युवक से बातचीत करने की जानकारी मिलने पर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद आरोपी ने शव को दूसरे कमरे के बिस्तर पर लिटा दिया, ताकि मौत सामान्य या हार्ट अटैक से हुई प्रतीत हो। इसके बाद उसने अपने साथी साहिल को घटना की जानकारी दी। विवेचना के दौरान साक्ष्य छिपाने की भूमिका सामने आने पर साहिल को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 28 जे 7143 जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 103, 238 एवं 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया।

नदी और नहर में डूबे दो युवक : एक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में नदी और नहर में डूबने की दो अलग-अलग घटनाएं हुईं। कुम्हारी थाना क्षेत्र की खारून नदी में डूबे 15 साल के राज गुप्ता का शव शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे मिला। वहीं, जामगांव आर थाना क्षेत्र की तांदुला नहर में बाइक समेत गिरे दुर्गेश ठाकुर की तलाश जारी है।

राज गुप्ता 22 अक्टूबर को अपने दोस्त निलेश ठाकुर के साथ रायपुर से अकोला गांव के पास खारून नदी गए थे। नहाने के बाद दोनों नदी के बीच एक पक्षी पकड़ने के लिए पानी में उतरे। इस दौरान उन्हें पानी की गहराई और गड्ढे का अंदाजा नहीं लगा। राज गुप्ता गहरे पानी में डूबने लगे। मौके पर मौजूद मछुआरों ने निलेश ठाकुर को बचा लिया, लेकिन राज को नहीं बचा सके। सूचना मिलने पर कुम्हारी पुलिस और



एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। शुक्रवार सुबह 5:30 बजे दोबारा सघन तलाशी अभियान शुरू किया। प्रशिक्षित गोताखोर चंद्रप्रताप जंधेल ने तेज बहाव के बीच डिप डाइविंग कर तलाश की। करीब सुबह 8 बजे राज गुप्ता का शव बरामद कर लिया गया।

मृतक की पहचान राज गुप्ता (15), पिता रिंकू गुप्ता, निवासी गोगांव, सीता नगर, रायपुर के रूप में हुई है।

दूसरी घटना जामगांव आर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, 22 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे गाड़ाडीह के पास गुडियारी और कानाकोट के बीच स्थित तांदुला पुल पर बाइक सवार युवक की गाड़ी अनियंत्रित होकर पुल से टकरा गई। इसके बाद युवक बाइक समेत नहर में गिर गया। घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की।

नहर में गिरे युवक की पहचान दुर्गेश ठाकुर, निवासी ग्राम तिलोदा, जिला बालोद के रूप में हुई है। एसडीआरएफ की टीम नहर में सच ऑपरेशन चला रही है। जामगांव आर थाना पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद है। फिलहाल दुर्गेश ठाकुर का पता नहीं चल पाया है। उनके पिता का नाम और उम्र की जानकारी भी उपलब्ध नहीं हो सकी है। रेस्क्यू अभियान जारी है।

रायपुर में नशे की 2100 गोलियों के साथ युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में नशे की दवा नाइट्राजेम की 2,100 गोलियों के साथ युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोहम्मद असजद (30) महादेवघाट विसर्जन कुंड के पास गोलियां बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था। उसके बैग से मिली गोलियों की कीमत करीब 8.40 लाख रुपए बताई गई है।

पूछताछ में आरोपी ने गोलियां ओडिशा से लाने की बात कही। पुलिस को आरोपी के पास गोलियों को रखने और बेचने से जुड़े वैध दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद डीडी नगर थाने में उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि महादेवघाट विसर्जन कुंड के पास एक व्यक्ति प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा



है। इसके बाद एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और डीडी नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया।

पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद

असजद (30) बताया। वह डंगनिया इलाके की शांति विहार कॉलोनी का रहने वाला है। बैग की तलाशी लेने पर नाइट्राजेम की 2,100 टैबलेट मिलीं। पुलिस के मुताबिक, इनकी कीमत करीब 8.40 लाख रुपए है। आरोपी के पास टैबलेट रखने और बेचने से जुड़े वैध दस्तावेज नहीं मिले। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर डीडी नगर थाने में अपराध क्रमांक 670/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(घ) में केस दर्ज किया है।

पुलिस आरोपी से पूछताछ कर टैबलेट के स्रोत, परिवहन और बिक्की से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। जांच में पता लगाया जा रहा है कि टैबलेट किससे खरीदी गई थीं और आगे किन लोगों तक पहुंचाई जानी थीं। पुलिस का कहना है कि जांच में अन्य लोगों की भूमिका सामने आने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

चाकू लहराकर लोगों को डराने वाला युवक गिरफ्तार

बैंक के सामने कर रहा था धमकाने की कोशिश, आर्म्स-एक्ट के तहत केस दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के जय स्तंभ चौक पर चाकू लहराकर लोगों को डराने-धमकाने के आरोप में पुलिस ने 18 साल के युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, युवक गुरुवार को चौक स्थित आईसीआईसीआई बैंक के सामने हाथ में चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा रहा था।

सूचना मिलने पर गोलबाजार पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से स्टील का धारदार चाकू जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ गोलबाजार थाने में आर्म्स एक्ट की धारा के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की



पहचान आदित्य दास मानिकपुरी (18) के रूप में हुई है। वह रायपुर के टिकरापारा क्षेत्र के बोरिया खुर्द, शास्त्री नगर का निवासी है। उसके पिता का नाम दुर्केश दास मानिकपुरी है।

पुलिस ने 22 अक्टूबर 2026 को जय स्तंभ चौक स्थित

आईसीआईसीआई बैंक के सामने से आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से स्टील का धारदार चाकू जब्त किया गया है। मामले में गोलबाजार थाने में अपराध क्रमांक 153/26 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 में केस दर्ज किया गया है।

महिला पर चाकू से हमला, कलाई-गले पर वार, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पुराने विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट की गई। इस दौरान एक युवक ने चाकू से महिला की कलाई और गले पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना जूटमिल थाना क्षेत्र के कयाघाट की है। पुलिस के मुताबिक, कयाघाट निवासी तुलसी महिलाने (33) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उसके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। उसके बड़े बेटे आर्यन महिलाने की शादी हो चुकी है। तुलसी का मोहल्ले में रहने वाले मनीष के साथ पुराना



विवाद है।

तुलसी ने बताया कि घटना की शाम वह अपनी बेटी और बहू के साथ घर पर थी। इसी दौरान मनीष अपने साथियों के साथ उसके घर के पास पहुंचा और पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। तुलसी घर से बाहर निकली और

उन्हें गाली देने से मना किया। इससे मनीष गुस्सा हो गया और उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद मनीष के साथ आए अन्य लोगों ने तुलसी के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान मनीष ने अपने पास

रखे चाकू से तुलसी की कलाई और गले पर वार कर दिया। इससे वह घायल हो गई और खून बहने लगा।

परिजनों ने किया बीच-बचाव आरोपी फरार

घटना के दौरान तुलसी के परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करते हुए शोर मचाया। इसके बाद मनीष और उसके साथी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद तुलसी जूटमिल थाने पहुंची और पुलिस को इसकी सूचना दी।

पुलिस ने तुलसी की शिकायत पर मनीष और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 296, 3(5) और 351(3) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

22 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त, दो गिरफ्तार

चंडीपारा। शराब की अवैध बिक्की और कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में 21 अक्टूबर को मुखबि्र की सूचना पर थाना पामगढ़ पुलिस ने दो अलग मामलों में कार्रवाई की। पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 22 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की। इसकी कीमत 4,400 रुपए बताई गई। घटना में इस्तेमाल एचएफ डीलक्स बाइक भी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में राजेश कुमार भास्कर निवासी मेड हल मुकाम पामगढ़ और कलेश्वर यादव निवासी नंदेली शामिल हैं। दोनों मामलों में थाना पामगढ़ में अपराध क्रमांक 468/2026 और 469/2026 दर्ज किया गया। धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Akash Ganga,
Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

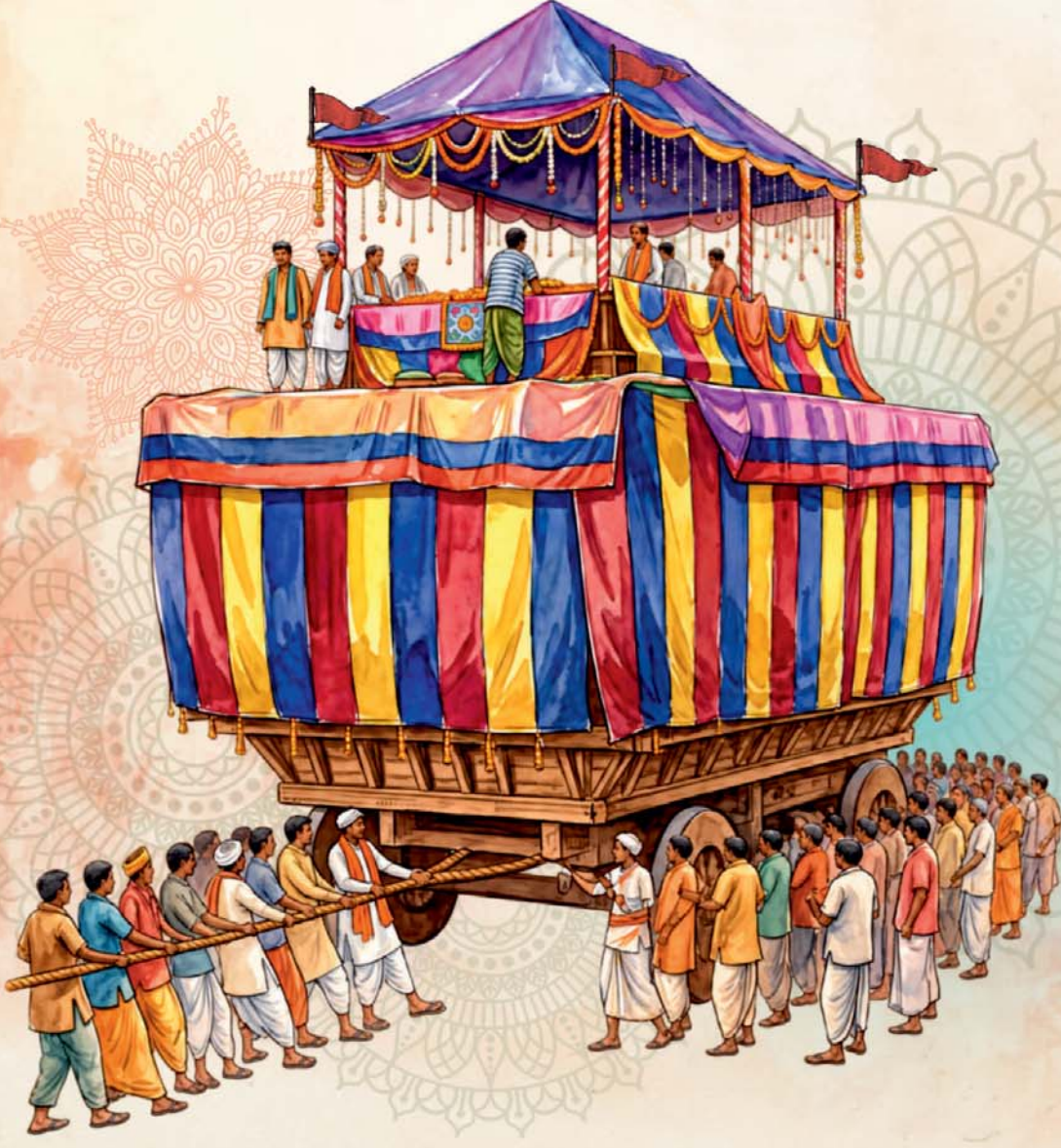
मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766



जनजातीय संस्कृति, जनआस्था
और जनभागीदारी का उत्सव

मुरिया दरबार एवं बस्तरदशहरा

23 अक्टूबर 2026

समय:- अपराह्न 12:45 बजे
स्थान :- लाल बाग मैदान, जगदलपुर



माननीय राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी

का

हार्दिक स्वागत एवं
अभिनंदन



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO- 49529/104



हमसे जुड़ने
के लिए
QR स्कैन करें



छत्तीसगढ़
जनसंपर्क

Visit us : [f](https://www.facebook.com/ChhattisgarhCMO) [X](https://www.twitter.com/ChhattisgarhCMO) [@](https://www.youtube.com/ChhattisgarhCMO) [/ChhattisgarhCMO](https://www.youtube.com/ChhattisgarhCMO) [f](https://www.facebook.com/DPRChhattisgarh) [X](https://www.twitter.com/DPRChhattisgarh) [@](https://www.youtube.com/DPRChhattisgarh) [/DPRChhattisgarh](https://www.dprcg.gov.in) www.dprcg.gov.in